kończy się na *εσι*, nie na *εισι*, np. *χαρίεσι(ν)*. *Mascul.* i *Neutra* są w *Nomin. Paroxytona, Feminina* są *Proparoxytona.*

	powabny,	powabna,	powabne.
Sing. Nom.	χαρίεις	χαρίεσσα	χαριεν
Gen.	χαρίεντος	χαριέσσης	χαρίεντος
Dat.	χαρίεντι	χαριέσσῃ	χαρίεντι
Acc.	χαρίεντα	χαρίεσσαν	χαρίεν
Voc.	χαρίεν	χαρίεσσα	χαρίεν
Dual. N. A. V.	χαρίεντε	χαριέσσᾱ	χαρίεντε
G. D.	χαριέντοιν	χαριέσσαιν	χαριέντοιν
Plur. Nom.	χαρίεντες	χαρίεσσαι	χαρίεντα
Gen.	χαριέντων	χαριεσσῶν	χαριέντων
Dat.	χαρίεσι(ν)	χαριέσσαις	χαρίεσι(ν)
Acc.	χαρίεντας	χαριέσσας	χαρίεντα
Voc.	χαρίεντες	χαρίεσσαι	χαρίεντα

2) Niektóre Przymiotniki na *ήεις, ήεσσα, ῆεν*, i na *όεις, όεσσα, όεν* ściągają się, np.

N. *τιμήεις, τιμήεσσα, τιμῆεν* = *τιμῆς, τιμῆσσα, τιμῆν*, szanowny,
G. *τιμήεντος, τιμηέσσης, τιμήεντος* = *τιμῆντος, τιμήσσης, τιμῆντος*,
N. *μελιτόεις, όεσσα, όεν* = *μελιτοῦς, οῦσσα, οῦν*,
G. *μελιτόεντος, οέσσης, όεντος* = *μελιτοῦντος, ούσσης, οῦντος* itd.

4. *ᾱς, αινᾱ, ᾰν, G. ανος*, np. *μέλας, μέλαινα, μέλαν*, czarny, i *τάλας, τάλαινα, τάλαν*, nieszczęśliwy. Więcéj Przymiotników tych zakończeń niemasz. Deklinują się obadwa podług §. 50. A. I. 5.

5. *ᾶς, ᾶσα, ᾶν, G. αντός*, np. *πᾶς, πᾶσα, πᾶν*, wszystek, a, o. *G. Sing. παντός, Pl. πάντων, πασῶν, Dat. Sing. παντί, Pl. πᾶσι.*

Podobnie formują się tylko jeszcze złożone z *πᾶς*, jako to: *ἅπᾱς* (*ἅπᾱσα, ἅπᾰν*), *σύμπᾱς, πρόπᾱς* itd., które w rod. nijakim krótkie *α* mają. Deklinacya podług §. 55. A. I. 5.

6. *ην, ειν, εν, G. ενος*, jako: *τέρην, τέρεινα, τέρεν*, delikatny. Tego zakończenia niemasz więcéj Przymiotników. Deklinacya podług §. 50. A. II.

7. *ών, οῦσα, όν, G. όντος*, np. *ἑκών, ἑκοῦσα, ἑκόν*, chętny. Należy tylko jeszcze do tego zakończenia złożone: *ἀέκων*, zwykle *ἄκων, ἄκουσα, ἄκον*. Deklinują się obadwa podług §. 50. A I. 5.

Uwaga 4. **Przymiotniki:** *μέγας, μεγάλη, μέγα*, wielki, *πολύς, πολλή, πολύ*, wiele, i *πρᾶος, πραεῖα, πρᾶον*, łagodny, odmieniają się nieforemnie. **Przymiotniki:** *μέγας* i *πολύς* mają od téj formy tylko *Nom.* i *Acc. Masc. Sing. μέγας, μέγαν; πολύς, πολύν*, tudzież *Neut. μέγα, πολύ*; wszystkie inne przypadki i cały rod. żeński formują się od nieużywanego *ΜΕΓΑΛΟΣ* i (ion.) *πολλός*. **Przymiotnik** zaś *πρᾶος* formuje całe *Femin.* tudzież *Neutr. Plur.*, i *Gen. Plur. Masc.* zawsze, a niekiedy także inne przypadki *Plur. Mascul.* od *πραύς* (porów. *γλυκύς, εῖα, ύ*). Azatem: